







# **७०। विर्म**्गीयार्थे नःस्वायदे सुव्रक्षेत्रास्य

ज्ञुत्यःर्वे ४१५०

द्ये:व्या ४०४३ ह्या ६

श्चितः वर्देवः बेदशा ३४



र्वेत् ग्री नार्के नार्के भूत रहें नार्का ग्री भूति कार्य नित्र रहें नार्का के स्वारा निवास क



नुर्सेट स्ट्रिंग्य ( नर हिन स्ट्रिंग्य हिन स्ट्रिंग्य स

# न्गरःळग

# वॅद्राग्ची पार्श्व प्रत्या प्रति स्वत्र स्वाप्त स्वाप्

21	र्नेन् ग्री मुर्के न स्वा पदे भूव र्से मुक् र्से मुक् रेसे मुक सेन्क स्वे स्वा स्व
	नर्झूट:र्ळेग्रथ:त्र्याः
31	न्ययः <u>भ्</u> त-न्त्र्यः तेन् सेदेः श्चेताः यह तायः ग्चेः शुं हें श्चेन् श्चेनः
	মর্ক্রবা, ২৮: মাহ্ন্ : বহু হার্ ব্যানা
3	<b>৴য়য়ড়ৢয়৾ৼয়য়ৼয়ৣড়য়ড়য়য়য়ড়য়য়ড়য়য়য়য়ড়য়য়ঢ়ড়য়ড়য়ড়য়ড়য়য়ড়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়</b>
~	र्वेन्-न्न-कें-स-त्य-प्यवे-क्रें-क्रेंन्-क्रुंन-क्रिन-क्रेंन्-चा
"(	गर्भे देगायनुसानविदेश्सर्भे सून सून देवे सून पुणा सुग्राम ग्री हैंग्राम विना
61	নাব্ৰাংক্ট্ৰাংক্ট্ৰা
الع	त्रुग्रार्हे के ल्वा
~	दर्शैर.पश्चीर.जश.दकर

নাশসংশ্লেষ্ট্রব্ দেইব্ স্থ্রিন্ম। """" বঁদ ঐ নাম কি নাম কি শ্লেষ্ট্র কি নাম।
र्ह्मेन र्स्नेन रा """"भून र्ह्मेन र्ह्मेन राग्ने र्ह्मेन राग्ने क्षेत्र रस्य राग्नेन रहेन राम्या नार्नेन
युव र्कें ग्रथ शे कें ग्रथ प्रविवा अव प्रवे हैं है प्रवाय प्रथा
क्रिं भ्रीमान्या
र्त्तेन्यान्यन्यम् वार्श्वेन्याः केन्या केन्या क्षेत्रं या स्वान्यस्व या स्वान्यस्व या स्वान्यस्व या स्वान्यस्
देनःग्राहुम्भःह्रभःनर्गेद्रःद्रदःस्राहुदःस्।"" Imperial Printing Press, Dharamshala

# क्रियाशयाईदिः स्वानीरा



प्रस्त कुरे त्यर त्यर त्यर यार्य क्ष्य स्वार्थ त्यर प्रक्षा स्वार्थ कुरे त्यर स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य

छ्, प्रस्थित चित्र सुर्वे ख्रा ४०४ ४ डी. ४ छुरा ४ घडार सूर्य सिया हुरा शे. तक्की श्राया स्वीता हुर प्रश्नी सूर स्वीय स्कूर प्रश्नी स्वाया स्वाया स्वीया सुर्वे स्वाया स्वीया सुर्वे स्वाया सुर्वे सुर्वे स्वाया सुर्वे सुर्वे स्वाया सुर्वे सुर्वे स्वाया सुर्वे स्वाया सुर्वे स्वाया सुर्वे सु



## १। वेंद्रशीः नार्शे नः देना प्रदेश्व्य रहें नाय शीः हिंगाय वेद्या राष्ट्रीत रहें नाय हिंया या



क्र्याश्चर्यात्रेयः वित्राचितः स्ट्रिंसः स्ट्

नः इस्रभः दशः स्त्रेन् भः न्द्रभः कदः खुर्भः स्त्रेन् स्वर्भः नर्षुः नर्वेश्वासान्दान्यवाय्वान्त्र्याचेन् स्रोतेः स्रोतायहं नायान्या दसवादर्श्वेर क्वित हेव लु दर्गे या या खेंग्या थी भूर वा खेंया विस्ती अत श्री र विस्ती पुराधित सर विस्ता श्री रें र विद्या र्व्यूशःभूरायायाराज्यायाय्य्यायम् सूत्रात्यायायायाया ग्रीय विश्वया श्रीमा नर्गोरया ने देव ने या प्यादा समाय मार्थिया क्षर्-ायार्द्रेन् त्रस्यान् वीं श्रास्य त्र्यों सद् श्रुव हेशावर त्यासर त्यीरशर्ट्रे सियार् मूंशासदे सिया मुशादरीया क्रिंदे स्वा क्रें वुर-लॅन्। यर-क्रें-स्विन्ध-स्र-स्वे-स्वेर-क्रियापर नी सर्वे क्रिन ने नतित सूत्र क्रिनाय देना ने न क्रियाना तर र्मूश्रासंद्रःमूर्यान्त्रेश्राम्बर्स्स्यान्त्र्र्यान्त्र्यानस्यानस्य सदःसियाः स्थात्रस्य स्थितः स्थान्त्रः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्यः बेर्शायनेते केंगायने निवेद क्रिंशना विनेत्र क्रिंत क्रिंत विनेत्रेर श्रे : र्राया के के प्राप्त के किया में *৾ঀৢঽ*ॱऄॕॖॻऻॴऄॸॴয়ঀॱয়ৼॱॻऻॶॱऄॕॻऻॱॻऻऄ॔ख़ॱढ़ॸॆॖ॓ॸॴॱहॱ न्जरमान्दर्भक्षात्र्वेत्रः हेमाळेवामान्दर्भाष्ट्रवाः श्रीतार्धेत्।

# १। न्ययः ध्वःन्तु अः वेन् अदिः श्चेषाः यह वाशः श्चेः श्चेन् श्चेनः श्चेनः अर्वेषाः नृतः सहयः यह यः वह या वा

के.र्यं ४०४४ म. ४ क्र्यं ८ ध्रेयं मात्रा स्वाप्त स्वा

बुश्यस्य देन् विन्य स्त्रीत् स्त्रीत्

मूच्-तम्भाष्ट्रम् न्त्रम् स्वर्त्त्रम् स्वर्त्त्रम्त्रम् स्वर्त्त्रम् स्वर्त्त्रम् स्वर्त्त्रम् स्वर्त्त्रम् स्वर्त्रम् स्वर्त्त्रम् स्वर्त्त्रम् स्वर्त्त्रम् स्वर्त्त्रम् स्वर्त्त्रम् स्वर्त्त्रम् स्वर्त्त्रम् स्वर्त्त्रम् स्वर्त्त्रम् स्वर्त्त्रम्



ने.लट.कट.श्रॅट.क्रं.क्ष्य.ख्याल्यत्मश्रीय.त्रेय.श्रीय. व्यात्मश्रीट.ल.क्ष्य.च्यात्मश्रीट.ल्य्य.ख्यात्मश्रीय.च्यात्मश्रीय.व्यात्मश्रीय.व्यात्मश्रीय.च्यात्मश्यात्मश्रीय.च्यात्मश्रीय.च्यात्मश्रीय.च्यात्मश्रीय.च्यात स्यान्तर्स्त्रम् । क्रियःश्चेरःसर्क्षेत्रः चीतः दुन्दः सर्वेदः दर्वेदः सर्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्व स्वान्यत्यः स्वेदः चीतः स्वेदः स

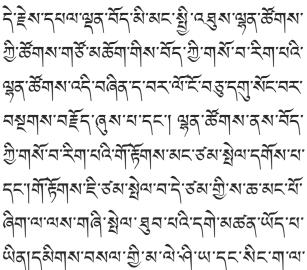


য়ुन नर्गेश्वर्शंत्रम्था स्वाप्त स्वर्शंत्रम्था स्वर्शंत्रम्था स्वर्णंत्रम्था स्वर्णं स्वरं स्वर्णं स्वर्णं स्वरं स्वरं

## 

 यीः विश्वश्वात्त्व्यात्त्र्याः भ्रम्यः स्ट्रेन् व्याः स्ट्रेन् स्ट्रेन् व्याः स्ट्रेन् स्ट्रेन् व्याः स्ट्रेन् व्याः स्ट्रेन् स्ट्रेन् व्याः स्ट्रेन् स्







ब्रियर्स्ट्र्स्य्न्यः स्वरुष्ण स्वरुष्

# < र्वेन्द्रिक्षायायायेर्श्वेर्स्युर्स्युर्स्युर्स्युर्स्यायः प्रित्तायः वित्रान्त्रुर्द्द्रित्यायः वित्रान्त्रु

च्यान्यते ह्या अविन स्वा अव्हान स्वा अव्हान स्व अव्व अव्हान स्व अव्य अव्हान स्व अव्य अव्हान स्व अव्य अव्हान स्व अव्हान स्व अव्हान स्व अव्हान स्व अव्हान स्व अव्हान स





 क्र-अंत्र क्रियामाने स्वित्त क्रियामाने स्वित क्रियामाने स्वत क्रियामाने क्रियामाने क्रियामाने स्वत क्रियामाने

## र्वाय्युर्यायम्बर्धाः स्त्रियः तुः धिवा क्रुवायः ग्रीः हैवायः विवा

द्युयानविदेश्वर्क्ष्म् अः क्षेत्रः १८,१६१३ विद्युन्य क्षेत्रः विद्यान्त्रः विद्यान्तः विद्यान्यः विद्यान्तः विद्यानः विद्यान्तः विद्यान्तः विद्यान्तः विद्यानः विद्यान्तः विद्यानः व



र्ह्रेन्य त्वेत्र त्वेत्व त्व त्वेत्व त्वेत्व त्वेत्व त्वेत्व त्वेत्व त्वेत्व त्वेत्व त्वेत्व



सह्रम् के कि स्वाहेश माहिता स्वाहे स्वाहे स्वाहेश स्व

# ८। ग्रात्रशःस्वाश्वीदःनश्रुशा

 द्रवाश्वर्त्त्वात्व्यः श्वरः श्वर्तः श्वरः श्वर





मानितःश्रीतः मान्याः स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वाप्तः



देट त्यावाश हे हो त्यं १८० द्वं स्वतः वह ते हो या त्या वह त्या वह ते हो या १८८१ व्या स्वतः वह ते हो या प्रतः यह त्या वह ते वह यह ते वह ते वह

# न् रीयोश.ई.कु.धी

- १ ] श्रुवः रस्रभः मञ्जेवः पाळे देरः त्याया भः दशः देवः श्रुदा १००,०००।००
- १) श्रुवःमः क्रेंबायसेया श्रुवाना वाराया वाराया
- द्रो श्रुवःरस्रस्यः श्रुवः व व द्रियः विस्रसः स्वास्य व सः स्वि द्रुवः । ५०,०००।००
- ३) अञ्चरमञ्जूरानुगुन्दनायः केंशः न्यायशायायायायसः देवः क्वेंस्पृ१०,०८१।००
- < ) अूत्रप्ते हें हे प्रवास्तुत्य त्यायाया व या क्रेत सें प्र १,१००।००।</
- त्त्रेनशःम्बरःस्त्री १ ) श्रुवःद्वोद्देंहेःद्वाःतर्वेतःस्वाशःवशःस्वरःस्वाशःश्चेतःस्वरःशःक्षेतःस्वरःस्वरः

## र् नेववैर.ववीर.वश्वातकरी

स्वायठमालु हु। है। क्षेप् १०१२ ह्वा १ वटा ख़्वाका हेटका ५४ या सहया का विषय स्वाया हि। क्षेप स्वया स्वाया हि। क्षेप स्वया स्वया



#### CENTRAL COUNCIL OF TIBETAN MEDICINE

**Tibetan Lunar Year 2150** 

**Vol. 38** 

August 2023

### **CONTENT**

- 1. The 37th Board Meeting of CCTM
- 2. Meeting with Sikyong Penpa Tsering of Central Tibetan Administration (CTA)
- 3. Meeting with Speaker and Deputy Speaker of Tibetan Parliament in Exile (TPiE)
- 4. Inspection at Tibet and Himalaya Herbal Product
- 5. Visit of CCTM observer to Sorig Bumzhi Medical College of Menri Ling for their final year examination
- 6. News in Brief
- 7. Thank You Note
- 8. Upcoming Events

**Editors:** Dr. Tsering Thakchoe Drungtso

X

Dr. Dorjee Damdul

Published by: Central Council of Tibetan Medicine





#### **CHAIRPERSON'S MESSAGE**



I am honored to be the Chairman of the Central Council of Tibetan Medicine again at this critical juncture. This Medical Council (CCTM) was established on 5th of January 2004 at Dharamsala, HP, India, after passing the "Tibetan Medicine Central Council Act.2003, by the 13th Tibetan Parliament in Exile with the final approval by His Holiness the great 14th Dalai Lama.

It is registered under the Societies Registration Act. 1860 (Reg. no. 4348/C/H/R/C) and is currently located at Gangchen Kyishong, Dharamsala, Himachal Pradesh, India.

The primary role of the Council has been to register qualified doctors, to protect and safeguard patients and general public by regulating and registering standard Medical Colleges and Pharmaceutical Companies.

I, on behalf of the 7th term Executive Members of Central Council of Tibetan Medicine would like to thank all the Sowa Practitioners on trusting us to shoulder the responsibilities place on us. Despite challenges on our way, we pledge to do our best.

It was during my tenure as a Chairman of the CCTM, the legal recognition of Sowa Rigpa in India came into being. I was also called upon in the Indian Parliament during the process of Sowa Rigpa Legal Recognition together with other stakeholders such as Prof. Geshe Ngawang Samten, Vice Chancellor of Central Institute of Higher Tibetan Studies, Dr. Tsewang Tamdin, visiting personal physician of His Holiness the Dalai Lama, Director of Tibetan Medical and Astro. Institute and Lama Chosphel Zotpa, President, Himalaya Buddhist Cultural Association, Delhi and Former Vice chairman, National Commission for SC/ST Commission, Govt. of India. We were the witness how Sowa Rigpa has been legally recognized.

I hope Ayush and NCISM will give platform to CCTM wherever it is feasible and necessary for the preservation, promotion and standardization of Sowa-Rigpa.

Let us all Sowa-Rigpa practitioners come together to protect our rights and enjoy the benefits given by the law of the land.

Let's grow together.

Best wishes,

Dr. Tsering Thakchoe Drungtso

#### 1. The 37th Board Meeting of CCTM

As per the rules and regulations of Central Council of Tibetan Medicine (CCTM), the 37th Board Meeting of CCTM was held from 1<sup>st</sup> to 5<sup>th</sup> of March 2023 at Hotel Tibet, Mcleod Ganj. The meeting was attended by 12 members including the Chairman, Vice-Chairman and Secretary, executive members, the official Sowa-Rigpa doctor and office secretary of CCTM. On the first day of the meeting, the office secretary, Mrs. Tsering Youdon lak presented the annual financial statement of CCTM which was followed by a thorough discussion pertaining to the financial issues and budget preparation of CCTM. It was unanimously decided during the meeting to seek financial support from CTA and to collect all due membership fees from all the concerned registered doctors. On the 3<sup>rd</sup> day of the meeting, all the executive members discussed the issue of pharmacy renewal license fee and decided to write a letter to Men-Tsee-Khang. The council also decided to send a letter regarding the registration of Bangalore Men-Tsee-Khang College under CCTM. The meeting successfully concluded with 15 resolutions on the 5<sup>th</sup> of March 2023

#### 2. Meeting with Sikyong Penpa Tsering of Central Tibetan Administration

On 4th March 2023 at 2:30pm, all the 7th

term executive members of Central Council of Tibetan Medicine (CCTM) met with Sikyong Penpa Tsering lak. During the meeting, the CCTM Chairman shared a report of his recent official visit to the National Institute of Sowa-Rigpa (NISR), Leh, Ladakh and the council's financial difficulties and challenges in implementing its regulations. The urgent need for financial support from the Central Tibetan Administration (CTA) to ensure smooth functioning of the council as well as the need for official recognition to strengthen its position were expressed. By appreciating the efforts laid by the council so far, Sikyong Penpa Tsering lak however, expressed the inability of CTA to support the daily expenses and staff salaries of the council. He further suggested the council put extra efforts in becoming more self-reliant like Men-Tsee-Khang by collecting funds from registered doctors or exploring other internal revenue earning methods to help sustain the council's operations.

# 3. Meeting with Speaker and Deputy Speaker of Tibetan Parliament in Exile

On 3<sup>rd</sup> March 2023 at 2:30pm, all the 7<sup>th</sup> term executive members of Central Council of Tibetan Medicine (CCTM) met with Speaker Khenpo Sonam Tenphel lak and Deputy Speaker Mrs. Dolma Tsering lak of the Tibetan Parliament in Exile (TPiE). During the

meeting, CCTM chairman introduced the executive members and briefed about the importance of the council. He raised the concern for the need of reexamination of the existing rules and regulations of the council to ensure its upto-date and effective functioning. Additionally, he emphasized on the need to address the council's financial problem to maintain its financial stability. By appreciating the council's continued efforts over the past 19 years, Speaker Khenpo Sonam Tenphel lak reiterated the importance of spreading awareness about Sowa-Rigpa for the promotion and preservation of this traditional system of medicine and more importantly to benefit more people through Sowa-Rigpa and its Healing practice. He further suggested the need for introducing and promoting awareness on Sowa-Rigpa in countries such as Sri Lanka and Malaysia that could significantly benefit these communities and the need for organizing conferences or workshops in countries such as Bhutan and Nepal to facilitate knowledge exchange and collaboration among practitioners and enthusiasts. The speaker expressed that TPiE can help ensure financial stability and thereby support the ongoing efforts to promote Sowa-Rigpa and related activities.

#### 4. Inspection at Tibet and Himalaya Herbal Product

As per the rules and regulations of the Central Council of Tibetan Medicine

(CCTM), a four member committee visited the Tibet and Himalaya Herbal Product pharmacy in Dharamsala on 21st April 2023, for the renewal of its pharmacy license under CCTM. inspection committee consisted of Dr. Penpa Tsering lak, a pharmacy expert, Dr. Tsering Tsamchoe lak, a member of the Health Department. CTA, Mr. Tashi lak, a member of Tibetan Settlement Office and Dr. Thupten Kunphel, the official Sowa-Rigpa doctor of CCTM . This Pharmacy, privately owned by Dr. Lobsang Soepa lak, is registered under B section category pharmacy as per CCTM rules and regulations with 5 staff and one outpatient department for 10 years. The head of the pharmacy, Dr. Lobsang Soepa lak was informed to ensure thorough and timely inspection of all the units of his pharmacy on a regular basis, the need for up-gradation of the drying area and the importance to ensure environment friendly methods while manufacturing medicines.

#### 5. Inspection at Sorig Bumzhi Medical College of Menri Ling

As per the rules & regulations of Central Council of Tibetan Medicine (CCTM) Dr. Thupten Kunphel visited Sorig-Bumzhi Menriling College, Dholanji to observe their final exam scheduled on 24<sup>th</sup>, 26<sup>th</sup> and 28<sup>th</sup> of April, 2023. The exam paper was set by the indigenous Bum zhi Sorig School in Nepal and the college was advised to extend their present exam

duration from two hours to three. Along the exam inspection, Dr. Thupten Kunphel took this opportunity to visit the various units of the college, including the classrooms, outpatient department, Sanatorium, major and minor libraries and the hostel which were all found in good condition. On the third day of the inspection Dr. Thupten Kunphel gave an introductory talk about the administration of CCTM and the registration procedure of the Sowa-Rigpa doctors under CCTM, followed by a brief advice to the students.

#### 6. News in Brief

# 1. The 19<sup>th</sup> Foundation Day of the Central Council of Tibetan Medicine

On 5<sup>th</sup> Jan 2023, Central Council of Tibetan Medicine celebrated its 19<sup>th</sup> foundation day. The Chairman's Message for the day was circulated on facebook and CCTM's official website. In the presence of all the staff of the Health department, CTA, the Chairman talked about the significance of the day which was followed by tea and sweets distribution. It brought back memories of the council's initial days and inspired the people involved to carry forward the legacy.

#### 2. Doctor registration update

Three Tibetan Medical Practitioners were registered under Central Council of Tibetan Medicine (CCTM) from 30<sup>th</sup> Dec 2022 to 1<sup>st</sup> July 2023, thus, totaling to 598 registered Tibetan Medical

Practitioners till date.

#### 3. Condolence Message

On behalf of all the registered Sowa-Rigpa doctors, Central Council of Tibetan Medicine (CCTM) would like to extend our heartfelt condolences on the demise of Dr. Passang Tsering lak, a registered doctor under CCTM and resident of Dekyiling Tibetan settlement, Dehradun. Our thoughts are with his family during this difficult time. The life journey of Dr. Passang Tsering lak has been truly remarkable. Born in 1973 in Cham-Dho, Tibet, he fled to exile, India in 1992. In 1993 he began his studies at Men-Tsee-Khang College, Dharamsala and successfully completed his Kachupa degree on 23rd March 1998. His dedication to learning continued, and on 23rd March 2010, he earned his Menrampa Chungwa degree. His accomplishments and contributions as a doctor and an individual will be remembered and cherished forever. Dr. Passang Tsering lak dedicated 23 years of his life to medical service which exemplifies his commitment and passion for helping others.



#### 7. Thank You Note

- 1. Dr. Penpa Tsering lak Rs. 100,000.00
- 2. Dr. Chephel Kalsang lak Rs. 100,000.00
- 3. Dr. Lobsang Tsultrim lak Rs. 50,000.00
- 4. Dr. Phurbu Kunga Chotak lak Rs. 10,042.00
- 5. Dr. Dorjee Damdul Rs. 1,100.00
- 6. USA resident Mr. Jampa lak and wife Mrs. Wangdue Dolma Lak has donated computer worth Rs. 66,000.00 to CCTM office.
- 7. Dr. Dorjee Damdul lak has donated Mobile Phone worth Rs. 18,900.00 to CCTM office.

#### 8. Upcoming Event

- \* In September 2023 the 7<sup>th</sup> Term executive members of CCTM will request an audience with H.H the 14th Dalai Lama before the commencement of its 38<sup>th</sup> Board meeting.
- \* The 38<sup>th</sup> Board meeting of CCTM will be held in September 2023.

#### **Details of CCTM Bank Accounts:**

**Account Name**: Central Council of Tibetan Medicine

 Account No.
 : 20590110016886

 IFSC Code
 : UCBA0002059

 MICR Code
 : 176028096

Address : UCO Bank, CTA, Dharamsala, Distt. Kangra, (H.P.) INDIA



If undelivered, kindly return to:

#### **Central Council of Tibetan Medicine**

Dept. of Health Building, Gangchen Kyishong, Dharamsala-176215, Distt. Kangra, Himachal Pradesh, North India | Telephone : + 91 1892 226462 / 8629006677 / 9816095637 Email: chethoe@yahoo.com / cctm2004@gmail.com | Website: www.tibmedcouncil.org



